SHRI DURGA CHARAN RANBIR

Shri Durga Charan Ranbir, a distinguished figure in Odissi dance, is known for his exceptional performances and is revered as a mentor. As one of the most senior Gurus in the field, his international recognition is a testament to his virtuosity. Over his four-decade career, he dedicated himself to propagating this dance form, serving as a dancer, demonstrator, Guru, and choreographer.

2. Born on 1st March, 1951 in Kamaguru, Odisha, Shri Ranbir pursued his education at Utkal Sangeet Mohavidyalaya under the guidance of Guru Deba Prasad Das. He also received additional lessons from Dr. Minati Mishra and Guru Pankaj Charan Das. He earned the esteemed "Nrutyacharya" degree, facilitating his professional journey.

3. In addition to his teaching, Shri Ranbir established the Temple of Learning Nrutya' (Nrutyayan). This institution follows the traditional Gurukul system and has expanded its influence both nationally and internationally, with centers such as "Lotus" in the United States, "Tarana" in Canada, and "Kalpana" in Malaysia. His students have achieved significant recognition, attaining prestigious honors such as the State and Central Sangeet Natak Akademy Award, the Ustad Bismillah Khan Yuva Award, and the Mahari Award, among others. More than 120 of his students have received National Scholarships. At the same time, over 40 have been awarded Fellowships, and more than 30 have been acknowledged as empanelled artists of the ICCR and 10 TOP-graded artists of Doordarshan.

4. Shri Ranbir performances, workshops and training programs have spanned the globe, taking him to diverse locations such as the USA, Japan, Australia, Venezuela, Panama, Costa Rica, Colombia, France, China, Korea, Bangladesh, Sri Lanka, Hungary, Bulgaria, and Germany. In India, he has performed both solo and in groups at major dance festivals, including Khajuraho, Konark, Ghungroo, Nisagandhi, Surya, Natyanjali, Nataraj Mahotsav, Haridas Sammelan, Ananya Festival, and the International Odissi Festival, and those organized by the Sangeet Natak Akademi, the Department of Tourism & Culture of the Government of India and various state organizations.

5. Shri Ranbir's choreographies are a testament to his profound understanding and deep reverence for traditional dance, incorporating elements such as Sabda-Swara-Pata. His repertoire includes over 20 Mangalacharans, 18 Pallavis and 100 Abhinayas along with notable dance dramas like "Ramayan to Bharatiya Nari," "Navagraha to Gopinath Jagannath," "Konark to Chandra Upasana" and "Aditya Archana." His expertise is widely recognized as a member of selection committees for significant festivals and a jury for national scholarships.

6. Shri Ranbir has received numerous accolades, including the Odisha State Academy Award and the Central Sangeet Natak Academy Award. He is acclaimed as a Top Grade Choreographer by Doordarshan and an Outstanding Guru by the ICCR.

श्री दुर्गा चरण रणबीर

श्री दुर्गा चरण रणबीर ओडिसी नृत्य के ख्यातिप्राप्त व्यक्ति हैं, जो अपने असाधारण प्रदर्शन के लिए विख्यात हैं और उनको गुरु का दर्जा दिया जाता है। इस कला के सबसे वरिष्ठ गुरुओं में से एक के रूप में, उनकी अंतरराष्ट्रीय ख्याति उनकी प्रतिभा का प्रमाण है। अपने चार दशक के करियर में, उन्होंने नर्तक, प्रदर्शक, गुरु और कोरियोग्राफर की भूमिका निभाते हुए स्वयं को इस नृत्य शैली के प्रचार–प्रसार के लिए समर्पित कर दिया।

2. 1 मार्च, 1951 को ओडिशा के कामगुरु में जन्मे, श्री रणबीर ने गुरु देब प्रसाद दास के मार्गदर्शन में उत्कल संगीत महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की। इन्होंने डॉ. मिनाती मिश्रा और गुरु पंकज चरण दास से भी अतिरिक्त शिक्षा प्राप्त की। इन्होंने प्रतिष्ठित "नृत्याचार्य" की उपाधि प्राप्त की, जिससे उनकी पेशेवर यात्रा की शुरूआत हुई।

3. अपने अध्यापन कार्य के अतिरिक्त, श्री रणबीर ने नृत्य साधना मंदिर (नृत्यायन) की स्थापना की। इस संस्था में पारंपरिक गुरुकुल प्रणाली का अनुसरण किया जाता है तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस संस्था का विस्तार हुआ है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका में "लोटस", कनाडा में "तराना" और मलेशिया में "कल्पना" जैसे केंद्र शामिल हैं। इनके शिष्यों को भी काफी पहचान मिली है, जिन्हें राज्य और केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार, और महारी पुरस्कार आदि जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इनके 120 से अधिक शिष्यों को राष्ट्रीय छात्रवृत्तियाँ मिली हैं। साथ ही, 40 से अधिक को फेलोशिप प्रदान की गई है, और 30 से अधिक को आईसीसीआर के सूचीबद्ध कलाकारों और 10 को दूरदर्शन के शीर्ष–श्रेणी के कलाकारों के रूप में मान्यता दी गई है।

4. श्री रणबीर विश्व भर में प्रदर्शन, कार्यशालाएँ करते हैं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करते हैं, इसके लिए उन्होंने अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, वेनेजुएला, पनामा, कोस्टारिका, कोलंबिया, फ्रांस, चीन, कोरिया, बांग्लादेश, श्रीलंका, हंगरी, बुल्गारिया और जर्मनी जैसे विभिन्न स्थानों की यात्राएं कीं हैं। भारत में, उन्होंने खजुराहो, कोणार्क, घुंघरू, निशागंधी, सूर्या, नाट्यंजलि, नटराज महोत्सव, हरिदास सम्मेलन, अनन्य महोत्सव, और अंतर्राष्ट्रीय ओडिसी महोत्सव, तथा संगीत नाटक अकादमी, भारत सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग तथा विभिन्न राज्य संगठनों द्वारा आयोजित प्रमुख नृत्य समारोहों में एकल और सामूहिक प्रदर्शन किया है।

5. श्री रणबीर की कोरियोग्राफी पारंपरिक नृत्य के प्रति उनकी गहन समझ और गहरी श्रद्धा का प्रमाण है, जिसमें शब्द–स्वर–पात जैसे तत्व शामिल हैं। उनकी प्रदर्शन सूची में 20 से अधिक मंगलाचरण, 18 पल्लवी और 100 अभिनय के साथ–साथ "रामायण से भारतीय नारी'', "नवग्रह से गोपीनाथ जगन्नाथ को", "कोणार्क से चंद्र उपासना" और "आदित्य अर्चना" जैसे उल्लेखनीय नृत्य नाटक शामिल हैं। इनकी विशेषज्ञता का व्यापक रूप से उपयोग करते हुए, इन्हें महत्वपूर्ण समारोहों की चयन समितियों और राष्ट्रीय छात्रवृत्तियों के लिए निर्णायक मंडल का सदस्य बनाया गया है।

6. श्री रणबीर को ओडिशा राज्य अकादमी पुरस्कार और केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इन्हें दूरदर्शन द्वारा शीर्ष ग्रेड कोरियोग्राफर और आईसीसीआर द्वारा उत्कृष्ट गुरु के रूप में सम्मानित किया गया है।